सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-275
07/06/2018

बिहार ब्रांडिंग के लिए ''ब्रांडिंग बिहार डॉट कॉम'' का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ

पटना, 07 जून 2018 :– आज 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने ब्रांडिंग बिहार डॉट कॉम का माउस के माध्यम से उद्घाटन सह शुभारंभ किया। SAUV काम्युनिकेशन के द्वारा इस वेबसाईट का निर्माण किया गया है। मुख्यमंत्री के समक्ष SAUV के निदेशक श्री उदय सहाय ने इस वेबसाईट पर बिहार से जुड़े कला–संस्कृति, संगीत, मीडिया, सिनेमा, साहित्य, वेशभूषा, खान–पान, वाइल्ड लाइफ, यहां से जुड़े व्यक्तित्व, पुरातात्विक स्थलों एवं कुछ आलेख हैं, के बारे में विस्तार से बताया।

मुख्यमंत्री ने अपने सुझाव में कहा कि बिहार का इतिहास गौरवशाली है, इससे जुड़े हुए पुरातात्विक स्थलों के बारे में और विस्तार से बताने की जरुरत है ताकि नई पीढ़ी इसके बारे में जान सके और आकर्षित हो सके। चंपारण सत्याग्रह के दौरान दिखाए गए गॉधी जी के चित्र के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह असली नहीं है इसकी सही तस्वीर आप यहां के अधिकारियों के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। चंपारण का मिर्चईया चूड़ा और भागलपुर का कतरनी चावल बिहार की विशिष्ट खाद्य उत्पादों में से एक है। इन सब चीजों को लोगों को दिखाकर बताने की जरुरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में काफी कुछ किया जा रहा है। बोधगया, राजगीर, वैशाली, नालंदा, तेल्हाड़ा के पुरातात्विक स्थलों पर काम किया जा रहा है। राजगीर में जू सफारी, नेचर सफारी, घोड़ा कटोरा पर्वत लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। राजगीर में सबसे पुराना पत्थर निर्मित सायक्लोपियन बॉल है। यहां वेणु वन का एक्सपेंशन किया जा रहा है। यहां स्थित झील में भगवान बुद्ध का पूरे पत्थर का बनाया मूर्ति लगाया जा रहा है। बोधगया को भी विकसित किया जा रहा है। गया में हिंदु लोग पिंडदान के लिए आते हैं। और बिहार में बौद्धभिक्षु बुद्ध से जुड़े स्थलों का दर्शन और पूजन करने आते हैं। हाल ही में लखीसराय के क्रिमिला में लाल पहाड़ी की खुदायी की गई है, जिससे यह पता चला है कि यह महिला बौद्ध विहार था। वैशाली में राजा का विशालगढ़ किला अद्भुत है, वैशाली में ही बुद्ध के अग्नि संस्कारों का 8 जगहों में से एक स्तूप रुप में स्पष्ट रुप से यहां प्रमाण मिला है, वहां पर हमलोग स्तूप बनवा रहे हैं। ऐसी जानकारी है कि चार विश्वविद्यालय प्रसिद्ध रहे है। जिसमें नालंदा विश्वविद्यालय, विक्रमशिला विश्वविद्यालय, उदंतपुरी विश्वविद्यालय, तेल्हाड़ा की खुदायी से भी विश्वविद्यालय का पता चला है। तेल्हाड़ा की खुदायी में प्रथम शताब्दी ई.पूर्व तक की जानकारी मिलती है। वाल्मिकी नगर टाइगर रीजन क्षेत्र को इक्को टूरिज्म के लिए विकसित किया जा रहा है। ललभितिया जगह को सनसेट प्वाइंट बनाने के लिए विकसित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिषी में मंडन मिश्र एवं शंकराचार्य के शास्त्रार्थ अपने आप में विशिष्ट है। यहां स्थित तारामाता के मंदिर की प्रतिमा के शीर्ष पर भगवान बुद्ध की आकृति

है। मधुबनी में बलराजगढ़ अपने आप में विशिष्ट है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बिहार संग्रहालय बना है और पहले से निर्मित पटना संग्रहालय इससे जुड़ा हुआ है। पटना संग्रहालय पुनर्रूद्धार किया जा रहा है और उसमें पुरातात्विक सामग्रियों का उचित रख रखाव की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के सभी क्षेत्र चाहे रोहतास हो, चंपारण हो, मगध हो, सब ऐतिहासिक धरोहरों से भरा पड़ा है। इन सब चीजों को विश्वसनीयता के पैमाने पर आप आकलन करके अपने साइट पर जानकारी दे सकते हैं। जिस विभाग से जानकारी लेनी है, ले सकते हैं। बिहार के लोग जो देश के बाहर रह रहे हैं बिहार के बारे में उनकी जिज्ञासा बनी रहती है, इसके लिए हमसे भी लोग संपर्क करते रहते हैं और वहां बुलाना चाहते हैं। इससे लोगों की बिहार के बारे रुचि बढ़ेगी और अपने इतिहास को जान सकेंगे। बिहार का ब्रांडिंग होगा। मुख्यमंत्री ने बेवसाइट निर्माण करने वाली टीम के इरादे और प्रयास की सराहना की।

मुख्यमंत्री को SAUV की टीम के तरफ से पटना कलम की पेंटिंग (दुर्गा पूजा विषय) का मोमेंटो को भेंट किया गया। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार, विकास आयुक्त श्री शशि शेखर शर्मा, प्रधान सचिव पर्यटन श्री रवि परमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चंद्रा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री विनय कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, विशेष सचिव मुख्यमंत्री सचिवालय श्री अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह उपस्थित थे। SAUV टीम के श्री मनीष सिन्हा, सुश्री शिवांगी, श्री कुंदन, श्री ऋत्विक, श्री उत्कर्ष, श्री सौरभ एवं श्री राजेश कुमार उपस्थित थे।

******